७--जब शिशु माता की छाती से नहीं लगना चाहे तो क्या करें?

कई बार भूखा होने के चलते शिशु स्तनपान के लिए छाती से नहीं लगता है तथा रोता रहता है। ऐसा लगता है जैसे वह स्तन से लड़ रहा हो अथवा उसे नहीं भाता हो। कभी निप्पल मुंह में लेता है, कभी थोड़ा चूसकर छोड़ देता है। फिर रोने लगता है।

- इस तरह जब शिशु स्तनपान का विरोध करता है तो आसपास के लोग माता के दूध में खराबी बताते हैं। जबकि स्तन से शिशु का मुंह ठीक से नहीं बैठ पाता है और भूख से रोने लगता है। ऐसी परिस्थिति में माता के स्तन से दूध निकालकर चम्मच से शिशु को पिलाना शुरु कर दिया जाता है। इससे धीरे-धीरे शिशु में स्तनपान की आदत छूट जाती है।

शिशु के स्तनपान नहीं करने के कारण क्या हैं?

बीमारी :

शिशु बीमार हो अथवा नाक बंद हो, दांत आते हों, उसे कहीं दर्द हो रहा हो, चूसने तथा निगलने में तकलीफ तो शिशु स्तन से नहीं लगता है। शिशु या माता को नींद लानेवाली दवा दी जा रही हो तो यह समस्या हो सकती है।

स्तनपान कराने की पद्धति में भूल :

- स्तनपान करने में शिशु को बोतल से अधिक परिश्रम करना पड़ता है। स्तनपान के साथ-साथ बोतल का दूध इस्तेमाल किया जा रहो हो तो शिशु बोतल से दूध पीना पसंद करता है।
- स्तनपान के दौरान निप्पल के चारों ओर का हिस्सा एरियोला मुंह में नहीं आने तथा स्तन में ज्यादा मात्रा में दूध भर जाने से शिशु स्तनपान नहीं कर पाता है। इस परिस्थिति में स्तन छोड़ देता है।

- स्तनपान कराते समय स्तन हिलाने से शिशु स्तन से मुंह हटा लेता है।
- स्तनपान कराते समय माता की मदद के लिए कोई दूसरा शिशु का सिर पकड़ता है अथवा शिशु को सहारा देता है तो शिशु हैरान होकर दूध पीना छोड़ देता है।
- ज्यादा मात्रा में स्तन में दूध उतरता है तो शिशु को चूसने में कठिनाई होती है और वह रोने लगता है।

जब शिशु को कम स्नेह मिले :

दूधमुंहे शिशु को माता से बेहद लगाव रहता है। बच्चे को जब लगता है कि उसकी मां उसे कम स्नेह दे रही है तो वह रोने लगता है। यह कैसे होता है? काम या किसी अन्य कारण से जब माता लम्बे समय तक शिशु से दूर रहती है तो ऐसा होता है। शिशु को लाड़-प्यार करने वाले परिजन बदल जाएं, घर बदल जाए, माता बीमार हो तब भी शिशु रोने लगता है। मासिकस्राव के समय माता के शरीर की महक (गंध) बदल जाती है। कभी-कभी साबुन बदल जाने अथवा लहसुन, प्याज उपयोग करने से माता के शरीर की महक बदल जाती है। ऐसी परिस्थिति में भी शिशु स्तनपान के समय रोता है।

शिशु का ध्यान बदल जाए :

- चार महीने से अधिक उम्र के शिशु का ध्यान आवाज से बंट जाता है और स्तन छोड़ देता है। स्तनपान के समय शिशु को कोई बहलाए तो वह स्तन छोड़ देता है।
- एक वर्ष के बाद सामान्यतया अन्य खुराक में रुचि बढ़ जाने से शिशु स्तनपान में रुचि कम लेता है।

शिशु एक स्तन से दूध ना पी सकें :

- जब एक तरफ के स्तन से दूध चूसने में तकलीफ हो अथवा दूध ना आता हो ऐसी परिस्थिति में उस स्तन को दबाकर दूध निकाल देना चाहिए। यह देखना चाहिए कि शिशु स्तन पर बराबर मुँह लगाता है या नहीं।